Prof. Ashim Kumar Ghosh
Governor, Haryana

सत्यमेव जयते

प्रो० असीम कुमार घोष
राज्यपाल, हरियाणा

क्रमांक– HLB/PRO-MSG/2026 | 6191
दिनांक– 28 जुलाई, 2026

संदेश

मैं हरियाणा के समस्त नागरिकों को **77वें वन महोत्सव** के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई देता हूँ।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि हरियाणा में वर्तमान मानसून ऋतु के दौरान व्यापक जनभागीदारी के साथ वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में वन विभाग के साथ–साथ विभिन्न सरकारी विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं तथा नागरिकों की सक्रिय सहभागिता पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज की बढ़ती जागरूकता का परिचायक है।

वन महोत्सव प्रकृति के प्रति हमारी आस्था, पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता तथा भावी पीढ़ियों के प्रति हमारे दायित्व का प्रतीक है। आज जब विश्व, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब वृक्षारोपण एवं वन संरक्षण का महत्व और भी बढ़ जाता है।

यह हर्ष का विषय है कि राज्य में केवल वृक्षारोपण ही नहीं, बल्कि पवित्र उपवनों (Sacred Groves) के संरक्षण, पुरातन एवं वयोवृद्ध वृक्षों के संवर्धन तथा जलवायु–अनुकूल (Climate & Resilient) देशज प्रजातियों (Native Species) के संरक्षण एवं संवर्धन पर भी विशेष बल दिया जा रहा है। ये प्रयास हमारी प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ–साथ पर्यावरणीय संतुलन और जैव विविधता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

मुझे बेहद खुशी है कि राज्य सरकार द्वारा वयोवृद्ध वृक्षों के संरक्षण के लिए **'प्राण वायु देवता पेंशन योजना'** जैसी अभिनव पहल संचालित की जा रही है। यह योजना न केवल इन अमूल्य प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण को प्रोत्साहित करती है, बल्कि समाज में वृक्षों के प्रति सम्मान एवं संवेदनशीलता का भी सशक्त संदेश देती है।

वन महोत्सव हमें केवल पौधे लगाने की प्रेरणा नहीं देता, बल्कि उनके संरक्षण और संवर्धन का भी संदेश देता है। यदि प्रत्येक नागरिक अपने जीवन में कम–से–कम एक वृक्ष लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, स्वस्थ और हरित पर्यावरण सुनिश्चित कर सकते हैं।

मैं प्रदेश के सभी नागरिकों, विशेषकर विद्यार्थियों, युवाओं, किसानों, स्वयंसेवी संगठनों तथा सामाजिक संस्थाओं से आग्रह करता हूँ कि वे इस अभियान में बढ़–चढ़कर भाग लें और इसे जन–आंदोलन का स्वरूप प्रदान करें। प्रकृति के साथ संतुलित और संवेदनशील जीवनशैली ही सतत विकास का आधार है।

मुझे विश्वास है कि 77वाँ वन महोत्सव पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन–जागरूकता को और सुदृढ़ करेगा तथा हरियाणा को अधिक हरित, स्वच्छ एवं समृद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा।

मैं वन विभाग तथा इस अभियान से जुड़े सभी विभागों, अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वयंसेवी संगठनों एवं नागरिकों को 77वें वन महोत्सव के सफल आयोजन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

जय हिन्द !

(प्रो0 असीम कुमार घोष)

Lok Bhavan Haryana,
Chandigarh - 160019

Tel. : 0172-2740581, 2740583 Fax : 0172-2740557
e-mail : governor@hry.nic.in

लोक भवन हरियाणा,
चण्डीगढ़ – 160019

नायब सिंह
NAYAB SINGH

मुख्य मन्त्री, हरियाणा,
चण्डीगढ़।
CHIEF MINISTER, HARYANA,
CHANDIGARH

Dated 27-07-2026

संदेश

मैं सभी हरियाणावासियों को 77वें वन महोत्सव के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

वन महोत्सव केवल वृक्षारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प का प्रतीक है। वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। वे हमें स्वच्छ वायु, शुद्ध जल, जैव विविधता का संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने की शक्ति प्रदान करते हैं। इसलिए वृक्षारोपण के साथ–साथ उनका संरक्षण और संवर्धन भी उतना ही आवश्यक है।

हरियाणा सरकार पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि तथा प्राकृतिक संसाधनों के सतत् विकास के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इसी संकल्प के अनुरूप वर्तमान मानसून ऋतु के दौरान प्रदेश में 1.40 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस महा–अभियान में वन विभाग के साथ–साथ अन्य सरकारी विभागों, स्थानीय निकायों, शिक्षण संस्थानों, गैर–सरकारी संगठनों सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं तथा आमजन की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देते हुए प्रदेश में लगभग 48 हेक्टेयर क्षेत्र में मियावाकी पद्धति के अंतर्गत सघन वृक्षारोपण भी किया जाएगा। यह वैज्ञानिक पद्धति कम समय में घने, जैव–विविधता से समृद्ध एवं आत्मनिर्भर शहरी वनों के विकास में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई है और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस अवसर पर मैं प्रदेश के सभी नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं, किसानों, उद्योगों, स्वयंसेवी संगठनों तथा सामाजिक संस्थाओं से आह्वान करता हूँ कि वे वन महोत्सव को जन–आंदोलन का स्वरूप देते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाएँ तथा उनके संरक्षण का भी संकल्प लें।

आइए, 77वें वन महोत्सव के अवसर पर हम सभी प्रकृति संरक्षण का संकल्प दोहराएँ और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के "एक पेड़ माँ के नाम–2" अभियान से जुड़कर एक स्वच्छ, हरित, समृद्ध एवं जलवायु–अनुकूल हरियाणा के निर्माण में अपना योगदान दें।

वन महोत्सव के सफल आयोजन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

(नायब सिंह)

राव नरबीर सिंह
Rao Narbir Singh

उद्योग एंव वाणिज्य, पर्यावरण, वन और वन्यजीव, विदेशी सहकारिता, सैनिक तथा अर्ध सैनिक कल्याण मंत्री हरियाणा ।

Industries & Commerce, Environment, Forests & Wild Life, Foreign Cooperation and Sainik & Ardh Sainik Welfare Minister, Haryana.

D.O. No. .....1226.....

Dated, Chandigarh...28/07/2026...

संदेश

77वें वन महोत्सव के पावन अवसर पर हरियाणा प्रदेशवासियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

प्रकृति हमारे जीवन का आधार है और वन उसकी अमूल्य धरोहर हैं। वन न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हैं, बल्कि जैव विविधता के संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने, जल स्रोतों के संवर्धन तथा भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

77वें वन महोत्सव के पावन अवसर पर मैं प्रदेशवासियों से आह्वान करता हूँ कि वे अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का भी संकल्प लें। वृक्षारोपण तभी सार्थक होगा, जब प्रत्येक पौधे को एक वृक्ष बनने तक हमारी निरंतर देखभाल और संरक्षण प्राप्त हो।

हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में हरित आवरण बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण को जन–आंदोलन का स्वरूप देने तथा प्राकृतिक संसाधनों के सतत संरक्षण के लिए अनेक प्रभावी कदम उठा रही है। इसी दिशा में वायु प्रदूषण की चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए शहरी क्षेत्रों तथा राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे मियावाकी पद्धति से सघन वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इस वैज्ञानिक पद्धति से विकसित किए जाने वाले घने शहरी वन प्रदूषण नियंत्रण, कार्बन अवशोषण, जैव विविधता के संवर्धन तथा नागरिकों के लिए हरित एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

राज्य सरकार का उद्देश्य केवल वृक्षों की संख्या बढ़ाना ही नहीं, बल्कि जन सहभागिता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की संस्कृति को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाना भी है।

आइए, इस वन महोत्सव के अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि प्रत्येक नागरिक कम–से–कम एक पौधा अवश्य लगाएगा और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाएगा। हमारा यह सामूहिक प्रयास हरियाणा को अधिक हरित, स्वच्छ, समृद्ध एवं पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित राज्य बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

77वें वन महोत्सव के अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ।

(राव नरबीर सिंह)